सर्वहारा दृष्टिकोण

सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर ऑफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) का मुखपत्र (पाक्षिक)

वर्ष-28 अंक-9 7 से 21 मई, 2013 मुख्य संपादक - कॉमरेड कृष्ण चक्रवर्ती मूल्य : 2 रुपये

देशभर में मनाया गया एसयूसीआई(सी) का 65वाँ स्थापना दिवस

24 अप्रैल–एसयूसीआई(सी) का 65वाँ स्थापना दिवस देशभर में जोश-खरोश के साथ मनाया गया। सभी जगह सर्वहारा के महान नेता और पार्टी के संस्थापक महासचिव कॉमरेड शिवदास घोष के चित्र पर माल्यार्पण व उनपर रचित गान से सभा शुरू हुई और अन्तर्राष्ट्रीय गान के साथ समाप्त हुई।

दिल्ली : एसयूसीआई(कम्युनिस्ट), दिल्ली राज्य सांगठनिक कमेटी की ओर से भारत की एकमात्र क्रान्तिकारी पार्टी एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) के 65वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 27 अप्रैल को जहांगीर पुरी के रामलीला पार्क में एक जनसभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता पार्टी की दिल्ली राज्य सांगठनिक कमेटी के वरिष्ठ सदस्य कॉमरेड प्राण शर्मा ने की। पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य कॉमरेड कृष्ण चक्रवर्ती सभा के मुख्य वक्ता थे। पार्टी की दिल्ली राज्य सांगठनिक कमेटी के सचिव कॉमरेड प्रताप सामल ने भी सभा को सम्बोधित किया।

सभा में जनजीवन की ज्वलन्त समस्याओं और महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार के खिलाफ जन आन्दोलन तेज करने का पार्टी की दिल्ली राज्य सांगठनिक कमेटी के सदस्य कॉ. के.सी. तिवारी द्वारा रखा गया और कॉ. मैनेजर चौरसिया द्वारा अनुमोदित एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। कॉ. कृष्ण चक्रवर्ती का भाषण अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

लोनी (गाजियाबाद, यूपी) : 24 अप्रैल को एसयूसीआई(सी)पार्टी के 65वें स्थापना दिवस पर लोनी लोकल कमेटी द्वारा एक जनसभा का आयोजन गिरी मार्केट चौराहे पर हुआ। सभा की अध्यक्षता पार्टी की दिल्ली राज्य सांगठनिक कमेटी के सचिवमण्डल सदस्य कॉमरेड रमेश शर्मा ने की। सभा के मुख्य वक्ता थे पार्टी की दिल्ली राज्य सांगठनिक कमेटी के सचिव कॉमरेड प्रताप सामल। सभा को लोनी लोकल कमेटी इंचार्ज कॉ. रवीन्द्र चैतन्य ने भी सम्बोधित किया।

सूरत (गुजरात) : 24 अप्रैल को एसयूसीआई (सी) के 65वें स्थापना दिवस पर सूरत में गुजरात राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत सूरत के चौक एरिया पर राज्य व राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर एक विरोध प्रदर्शन से हुई। महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, श्रम कानूनों के उल्लंघन और शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाओं के बाजारीकरण आदि को रोकने की मांग-पट्टिकाएं प्रदर्शनकारी हाथों में लिए हुए थे।

दिल्ली जहांगीरपुरी के रामलीला पार्क में एक जनसभा का एक दृश्य

जनसभा कांजीभाई हाल, सूरत में हुई जिसमें अहमदाबाद, बड़ौदा और सूरत जिलों से काफी संख्या में आये पार्टी कार्यकर्ता शरीक हुए। शुरूआत में ऑल इण्डिया डीएसओ वॉलन्टियरों द्वारा क्रान्तिकारी गानें गाये गये। इस अवसर पर पार्टी की केन्द्रीय कमेटी के सदस्य कॉमरेड शंकर साहा ने कॉमरेड प्रभाष घोष की कृति 'क्रान्तिकारियों व समाजसुधारकों के जीवन से सीखो' के गुजराती संस्करण का लोकार्पण किया।

एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) गुजरात राज्य सांगठनिक कमेटी के सचिव कॉमरेड द्वारिकानाथ रथ ने गुजरात की बिगड़ती स्थिति पर विस्तार से बात रखी। उन्होंने बताया कि कारपोरेट घरानों के समर्थन से भावी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किये जा रहे नरेन्द्र मोदी

(शेष पृष्ठ 2 पर)

सूरत में जनसभा को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय कमेटी सदस्य कॉमरेड शंकर साहा

शारदा चिट फण्ड घोटाले की सीबीआई जांच कराने की एसयूसीआई(सी) ने की मांग

एसयूसीआई(सी) के महासचिव कॉमरेड प्रभाष घोष ने 26 अप्रैल को निम्नलिखित बयान जारी किया:

2जी स्पैक्ट्रम, कोलगेट, इण्डियन प्रीमियर लीग, कॉमनवैल्थ गेम्स, मिलिट्री साजोसामान और ऐसे ही अन्य महाघोटालों की निरन्तरता में, हाल ही में पश्चिम बंगाल आधारित शारदा ग्रुप द्वारा 20000 करोड रुपए से भी अधिक के सार्वजनिक धन की सरासर ठगी का मामला सामने आया है जो ऐसी लगभग 4000 वित्तीय कम्पनियों में से एक है। यह इस बात का द्योतक है कि संकटग्रस्त ह्रासोन्मुख मरणासन्न पूँजीवादी व्यवस्था कितनी भ्रष्ट और सड़ी-गली हो गई है जो इसके द्वारा पाले-पोसे और संरक्षित व्यक्तियों और संगठनों के ऐसे जघन्य अपराधों को होने दे रही है और उन्हें मदद पहुँचा रही है। लगभग तीस साल में देश भर में पनप उठे इन चिट फण्डों को 'चीट (ठगी) फण्ड' कहना उचित होगा। ये आम लोगों विशेषकर गरीब तबके और निम्न मध्यम वर्ग के लोगों से कम से कम समय में उनका जमा कराया पैसा कई गुना बढ़ा कर वापिस लौटाने का झूठा वायदा करके लोगों से पैसा ऐंठने का पूरी तरह गैर-कानून धंधा धड़ल्ले से चला रही हैं। केन्द्र व राज्य सरकारों, आरबीआई, सेबी, कम्पनी लॉ बोर्ड और खास तौर से पुलिस प्रशासन, इकॉनोमिक ऑफेंस जैसे निगरानी निकायों की ठीक नाक के नीचे यह गैर-कानूनी धंधा हो रहा है। शासक तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदरखाने प्रभावशाली सांसद, विशेषकर पत्रकार से बने एक राजनीतिज्ञ जो शारदा ग्रुप के मल्टीफोल्ड मीडिया बिजनैस के एग्जीक्युटिव चेयरमैन के रूप में इसके मुखिया अब संदेह के घेरे में आ गए हैं। कुछ कांग्रेसी सांसद और एक केन्द्रीय मंत्री के नजदीकी रिश्तेदार भी सह-अपराधियों की लिस्ट में शामिल हैं। साफ तौर पर चुनावी स्वार्थ के मद्देनजर हालांकि सीपीआई(एम) नेतागण टीएमसी और कांग्रेस के खिलाफ बहुत बात कर रहे हैं लेकिन इस सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकेगा कि पश्चिम बंगाल में उनके 34 साल के शासनकाल में ही ये 'चीट फण्ड' कम्पनियाँ अस्तित्व में आई, परवान चढ़ीं और अपना जाल दूसरे राज्यों में भी फैला सकीं। टीएमसी मुख्यमंत्री खुद शारदा ग्रुप द्वारा लांच की गई कुछ बहुप्रचारित स्कीमों का उद्घाटन करने गईं हैं। हालांकि वे अब ग्रुप के प्रोमोटर और उसके संदिग्ध पूर्ववर्ती क्रियाकलापों के बारे में अपनी अनभिज्ञता जता रही हैं। विशेष रूप से, पश्चिम बंगाल से केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में शामिल एक मंत्री ने केन्द्रीय सरकार को यह तसदीक करते हुए एक पत्र भी लिखा बताते हैं कि शारदा ग्रुप किसी गैरकानूनी धंधे में लिप्त नहीं है।

हम मांग करते हैं कि गरीबी की मारी जनता के आर्थिक कत्लेआम में लिप्त ऐसी तमाम संस्थाओं पर तुरन्त रोक लगाई जाए और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में इस पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच कराई जाए। कसूरवार पाए जाने वालों को दागी अपराधी माना जाए और कठोरतम सजा दी जाए। शारदा ग्रुप सहित तमाम चिट फण्डों की सारी सम्पत्तियों को जब्त किया जाए और इसे रोकड़े में बदल कर आम निवेशकों की जमा राशि अदा की जाए। क्योंकि केन्द्र और राज्य सरकारें दोनों लोगों पर हुए ऐसे एक भयावह जुर्म के लिए जिम्मेदार हैं इसलिए उनका यह दायित्व बनता है कि निवेशकों की पूर्ण क्षतिपूर्ती के लिए पूरी बकाया राशि उन्हें प्रदान करें। साथ ही साथ हम पीड़ित लोगों से जोरदार अपील करते हैं कि इस संकटग्रस्त मरणासन्न ह्रासोन्मुख नितांत भ्रष्ट पूँजीवादी व्यवस्था, इसके संचालकों, संरक्षकों, हितकारियों और लाभाधिकारियों का पहचान चिन्ह बन चुके ऐसे झांसे के चंगुल में वे न फंसे, इन स्वार्थी लोगों से दूर रहें और पूँजीवाद और इसके ताबेदारों की हर तरह की तिकड़मों, कुचक्रों, फंदों और मनहूस साजिशों के खिलाफ आन्दोलन में दृढ़ता और एकजुटता के साथ उठ खड़े हों। साथ ही साथ इन धनबटोरू बेईमानों से व्यवस्था को मुक्त करने के लिए आन्दोलन के दबाव से सरकारों को मजबूर कर दें।

24 अप्रैल

(पृष्ठ 1 का शेष)

किस तरह राज्य में श्रम कानूनों की धज्जियाँ उड़ाते हुए पूँजीवादी विकास के मॉडल के रूप में गुजरात को दिखा रहे हैं। मोदी सरकार कारपोरेट और औद्योगिक घरानों को यह आश्वासन दे रही है कि गुजरात में न तो कोई मजदूर आन्दोलन है और न आगे होने देंगे। इसके बावजूद मार्क्सवाद की महान विचारधारा से लैस हमारी पार्टी जनजीवन के ज्वलन्त सवालों को लेकर गुजरात में जन आन्दोलन विकसित करने में लगी हुई है।

पार्टी की केन्द्रीय कमेटी के सदस्य, कॉमरेड शंकर साहा ने सभा के मुख्य वक्ता के तौर पर सम्बोधित करते हुए एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) के स्थापना दिवस 24 अप्रैल के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह वह ऐतिहासिक दिन है जिस दिन कॉमरेड शिवदास घोष और उनके चंद सहयोद्धाओं ने देश में एकमात्र क्रान्तिकारी पार्टी एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) बनाई थी। उन्होंने देश की मौजूदा राजनैतिक-आर्थिक परिस्थिति और मजदूर वर्ग की स्थिति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उदाहरण देकर दिखाया कि किस तरह इस मरणासन्न पूँजीवाद ने तमाम मूल्यबोधों को मटियामेट कर समाज की दयनीय स्थिति कर डाली है। फ्रांस, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, अमेरिका जैसे दुनिया भर में विकसित पूँजीवादी देशों में चल रही आर्थिक मंदी और आर्थिक संकट का जिक्र करते हुए उन्होंने दिखाया कि जैसे अमेरिका में 'वाल स्ट्रीट दखल करो' जैसे आन्दोलनों की वहां लहर चल रही है।

सभा की अध्यक्षता पार्टी की राज्य सांगठनिक कमेटी सदस्य कॉमरेड मीनाक्षी जोशी ने की। उन्होंने गुजरात की समस्याओं, खासकर सूखे की समस्या को रखा। उन्होंने राज्य में पार्टी द्वारा किये गये विभिन्न आन्दोलनों के बारे में बताया और पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि जनजीवन की ज्वलन्त समस्याओं को लेकर जन आन्दोलन गठित करने के लिए वे आगे आयें। यही हमारे लिए पार्टी स्थापना दिवस 24 अप्रैल का सही पैगाम होगा।

रोहतक (हरियाणा) : 24 अप्रैल को एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी के 65वें स्थापना दिवस पर हरियाणा में राज्य स्तरीय कार्यक्रम रोहतक में आयोजित हुआ। इस अवसर पर एक जनसभा यहां छोटूराम पार्क हाल में आयोजित की गई जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से काफी संख्या में आये पार्टी कार्यकर्ता व समर्थक शरीक हुए। इस अवसर पर पार्टी की केन्द्रीय कमेटी की सदस्य व ऑल इण्डिया महिला सांस्कृतिक संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉमरेड छाया मुखर्जी ने मुख्य वक्तव रखा। एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) हरियाणा राज्य कमेटी के सचिव और केन्द्रीय कमेटी सदस्य कॉमरेड सत्यवान ने सभा की अध्यक्षता की। सभा में सबसे पहले पार्टी की राज्य कमेटी सदस्यों, कॉ. अनूप सिंह द्वारा प्रस्तुत और कॉ. राजेन्द्र सिंह द्वारा अनुमोदित जनजीवन के ज्वलन्त सवालों को लेकर 10 सूत्री मांगों पर एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। 10 से 31 मई तक जिला-जिला में गांव-शहरों में जनसभाएं, विरोध प्रदर्शन करते हुए जनजागरण अभियान चलाने और सरकार की जनविरोधी नीतियों का जोरदार विरोध करने का निर्णय लिया गया। पार्टी ने मांग की कि कमजोर और गरीब तबके के लोगों को सुरक्षा प्रदान की जाए, महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार की रोकथाम की जाए, एक ही परिवार के 5 सदस्यों की जहर खाने से हुई मौत की जांच की जाए, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाए, किसानों को गेहूं पर 250 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जाए, श्रम कानूनो का सख्ती से पालन किया जाए, मनरेगा के तहत काम करने वालों को रोजाना 300 रुपये मजूरी दी जाए, सबको शिक्षा और इलाज सस्ता प्रदान किया जाए, प्रचार माध्यमों से अश्लीलता परोसना बंद किया जाए, शराबखोरी, नशाखोरी, जुए को बढ़ावा देना बंद किया जाए, पेयजल, बिजली और सिंचाई के लिए पानी सस्ता और पर्याप्त मात्रा में दिया जाए, बुढ़ापा, विधवा व विकलांग पेन्शन और बेरोजगारी भत्ता प्रति माह 2000 रुपये दिया जाए।

भोपाल में जनसभा को सम्बोधित करते हुए कॉमरेड रबिन समाजपति

पार्टी की केन्द्रीय कमेटी की सदस्य कॉमरेड छाया मुखर्जी ने सभा के मुख्य वक्ता के तौर पर सम्बोधित किया। उनका भाषण अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

भोपाल (म.प्र.) : 24 अप्रैल को एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी के 65वें स्थापना दिवस पर विभिन्न जिलों में एक पखवाड़े भर तक प्रचार अभियान, सामूहिक अध्ययन, संघर्ष कोष संग्रहण, पोस्टरिंग व पर्चे वितरण के बाद राज्य स्तरीय कार्यक्रम भोपाल में आयोजित हुआ। इस अवसर पर स्थानीय न्यू सुभाष नगर स्थित पालिका सामुदायिक भवन में एक जनसभा आयोजित की गई जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से काफी संख्या में आये पार्टी कार्यकर्ता व समर्थक शरीक हुए। इस अवसर पर मुख्य वक्ता कॉ. रॉबिन समाजपति थे। कॉमरेड समाजपति ने देश में एकमात्र क्रान्तिकारी पार्टी एसयूसीआई (सी) को मजबूत करने, क्रान्तिकारी सिद्धांत मार्क्सवाद-लेनिनवाद-कॉमरेड शिवदास घोष चिंतनधारा की सही समझदारी हासिल करने और जनजीवन की ज्वलंत समस्याओं पर जोरदार जन आन्दोलन गठित करने के लिए देश भर में जनकमेटियां गठित करने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि अच्छा कम्युनिस्ट बनने के लिए सिर्फ किताबों का अध्ययन करने से ही नहीं चलेगा, बल्कि अपने व्यक्तिवादी रुझानों को खत्म कर खुद को बदलना जरूरी है।

पार्टी की राज्य सांगठनिक कमेटी के सदस्य कॉमरेड रामावतार शर्मा ने सभा की अध्यक्षता की। सभा का मंच संचालन पार्टी की राज्य सांगठनिक कमेटी के सदस्य कामॅरेड जगदीश बारई ने किया। पार्टी के राज्य सचिव कॉमरेड उमा प्रसाद ने सभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि पूँजीवादी व्यवस्था से जनित कमरतोड़ महंगाई, बेरोजगारी, शैक्षणिक-सांस्कृतिक समस्याओं और बेइन्तहा हैवानियत के साथ महिलाओं पर हो रहे अत्याचार से जनता का जीना मुश्किल हो गया है। जनता के संयम का बांध टूटने को है। उसका विक्षोभ यहाँ-वहाँ, हर जगह फूट पड़ रहा है। उन्होंने इन विक्षोभों को क्रान्तिकारी नेतृत्व में संगठित करने की जरूरत पर बल दिया।

मुम्बई (महाराष्ट्र) : एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) पार्टी की मुम्बई इकाई द्वारा पार्टी का 65वां स्थापना दिवस 26 अप्रैल को मुम्बई में महात्मा फूले हाल, एन. एम. जोशी मार्ग, चिंचपोकली(पश्चिम) में एक जनसभा कर मनाया गया। पार्टी की मुम्बई सांगठनिक कमेटी के सदस्य कॉमरेड ए.के. त्यागी ने सभा की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता कॉमरेड द्वारकानाथ रथ थे। कॉमरेड रथ ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश में पर्याप्त ताकत रखने वाली एक सही कम्युनिस्ट पार्टी न होने की वजह से बहुत सारे आन्दोलन पूँजीवाद-विरोधी समाजवादी क्रान्ति की सफल परिणति तक नहीं पहुंच पाये। कॉमरेड रथ ने एसयूसीआई(सी) को मजबूत करने की अपील की ताकि सभी आन्दोलनों को संयोजित और त्वरित किया जा सके और पूँजीवाद-विरोधी समाजवादी क्रान्ति की दिशा में परिणत किया जा सके।

सभा को पार्टी की मुम्बई सांगठनिक कमेटी के सदस्यों, कॉमरेड कुमार कुलश्रेष्ठ और कॉमरेड जयराम विश्वकर्मा ने भी सम्बोधित किया।

मुम्बई में जनसभा को सम्बोधित करते हुए कॉमरेड द्वारकानाथ रथ

कटक (ओडिशा) : एसयूसीआई(कम्युनिस्ट), ओडिशा राज्य कमेटी द्वारा पार्टी का 65वां स्थापना दिवस 24 अप्रैल को शहीद भवन, कटक में एक जनसभा कर मनाया गया। पार्टी की ओडिशा राज्य कमेटी के सचिव कॉमरेड धुर्जटी दास ने सभा की अध्यक्षता की। इस अवसर पर एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) की केन्द्रीय कमेटी के सदस्य कॉमरेड सौमेन बोस मुख्य वक्ता थे। कॉम्सोमोल द्वारा इस युग के महान मार्क्सवादी चिन्तनकार और एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) पार्टी के संस्थापक महासचिव कॉमरेड शिवदास घाष को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

रोहतक में जनसभा को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय कमेटी सदस्य कॉमरेड छाया मुखर्जी

मई दिवस पर मजदूरों ने जुलूस निकाल कर किया अन्तर्राष्ट्रीय एकजुटता का इजहार

दिल्ली : एआईयूटीयूसी की दिल्ली राज्य कमेटी ने विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में मई दिवस मनाया। वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में हुई एक जनसभा को संगठन के दिल्ली राज्य सचिव कॉ. मैनेजर चौरसिया व कॉ. इन्द्रजीत यादव ने सम्बोधित किया।

जहांगीर पुरी में हुए जनसभा को कॉ. निर्मल व प्रेम पाल आर्य ने सम्बोधित किया। सभा में काफी मजदूरों ने हिस्सा लिया।

शाम को केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर रामलीला मैदान से टाउन हाल तक एक संयुक्त जुलूस निकाला गया। इसमें सैकड़ों मजदूरों ने शिरकत की। वहाँ हुई सभा को एआईयूटीयूसी के सर्वभारतीय सचिवमण्डल के सदस्य कॉमरेड रमेश शर्मा के अलावा एटक, सीटू, एचएमएस, टीयूसीसी, यूटीयूसी, मजदूर एकता कमेटी के नेताओं ने सम्बोधित किया।

आरोन : एसयूसीआई(सी) के कार्यकर्ताओं द्वारा मई दिवस पर स्थानीय पुराने चौराहे पर सभा की गई। सभा का संचालन यथार्थ ने किया। सभा को पार्टी के नगर प्रभारी कॉ. मनीष श्रीवास्तव, गुना जिला कमेटी के वरिष्ठ सदस्य कॉ. लोकेश शर्मा ने सम्बोधित किया। सभा में काफी मजदूरों, सब्जी-फल विक्रेताओं ने हिस्सा लिया।

भिवानी : ऑल इण्डिया यूनाइटिड ट्रेड यूनियन सेन्टर (एआईयूटीयूसी) के लाल झण्डे तले भवन निर्माण कारीगर-मजदूरों,, आशा, मिड डे मील व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं, भट्ठा मजदूरों, खेत मजदूरों व अन्य मजदूर-कर्मचारियों ने सैकड़ों की संख्या में 1 मई को जुलूस निकाल कर यहां 127वां मई दिवस शानदार ढंग से मनाया। जुलूस दिनोद गेट से शुरू हुआ और सराय चौपटा, हांसी गेट, घण्टाघर होते हुए नेहरू पार्क में पहुंच कर सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता भवन निर्माण कारीगर-मजदूर यूनियन हरियाणा (रजि. नं. 1845) के जिला सचिव कॉ. धर्मवीर सिंह ने की। मई दिवस के गौरवमय इतिहास और मजदूर आन्दोलन में इसका महत्व बताते हुए एआईयूटीयूसी के राज्य कमेटी सदस्य और भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष कॉ. रामफल सुहाग ने कहा कि पहली मई–अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस अपनी मांगों के लिये एकजुट होने व चौतरफा फैले हुए शोषण-जुल्म का जाल तोड़ डालने के लिए संघर्ष का दृढ़ संकल्प लेने का दिन है। यह दिन 8 घण्टे के कार्य दिवस की साझी माँग पर मजदूरों के एकजुट संघर्ष के प्रतीक के रूप में उभर कर आया था। उन्होंने सभी मजदूर-कर्मचारियों से मई दिवस के संघर्ष से सीख लेकर केन्द्र व राज्य सरकारों की मजदूर-कर्मचारी-विरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार मजदूर आन्दोलन गठित करने का आह्वान किया। उनके अलावा भवन निर्माण कारीगर-मजदूर यूनियन हरियाणा (रजि. नं. 1845) के राज्य कोषाध्यक्ष राजकुमार व प्रवीण लता और हरियाणा खेत मजदूर फैडरेशन के कॉ. जिलेसिंह आदि ने सभा को सम्बोधित किया।

टाउन हाल पर सभा को संबोधित करते हुए एआईयूटीयूसी के सर्वभारतीय सचिवमण्डल के सदस्य कॉ. रमेश शर्मा

भिवानी में मई दिवस पर प्रदर्शन करते हुए एआईयूटीयूसी से सम्बद्ध यूनियनों के मजदूर-कर्मचारी

श्रम कार्यालय पर मजदूरों का जोरदार प्रदर्शन

दिल्ली : एआईयूटीयूसी की उत्तरी जिला सांगठनिक कमेटी के आह्वान पर 10 अप्रैल को लगभग 3500 मजदूरों ने वजीरपुर अद्योगिक क्षेत्र से डिप्टी कमीशनर के कार्यालय पर जुझारू जुलूस निकाला। जोश से भरपूर प्रदर्शनकारी मजदूर लगभग 7 किलोकीटर के रास्ते भर नारे लगाते हुए गए। उनकी मांगें थीं, '20000 प्रतिमाह न्यूनतम वेतन घोषित करो', 'सभी को न्यूनतम वेतन, ईएसआई, पी एफ, नियुक्ति पत्र दो', 'कार्यस्थलों पर पीने के पानी, शौचालयों व बैठने के लिए उचित स्थान का प्रबंध करो', 'सभी श्रम कानून सख्ती से लागू करो', 'डीएलसी का बन्दोबस्त करो।'

प्रदर्शन में भवन व सनिर्माण वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर सैकड़ों मजदूर-मिस्त्री शामिल हुए। उनकी मांग थी कि भवन निमार्ण मजदूरों के लिए सभी कानूनसम्मत हितलाभ दिए जाएं। बोर्ड की सदस्यता लेने व हितलाभ प्राप्त करने में डाली जा रही सभी बाधाएं हटाई जाएं। हजारों मजदूरों का यह जुलूस जब डीएलसी कार्यालय पहुँचा। मजदूरों का जोश दुगुना हो गया। वहाँ देर तक नारे बाजी होती रही।

कार्यालय पर हुई सभा को एआईयूटीयूसी के दिल्ली राज्य अध्यक्ष हरीश त्यागी व सचिव कॉ. एम. चौरसिया ने सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी गलत नीतियों को लागू करके महंगाई, बेरोजगारी, भुखमरी को बढ़ा रही है। मजदूरों के हक के श्रम कानूनों को लागू नहीं किया जाता। श्रम कार्यालय भी मालिकों के हित साधन में ही लगा हुआ है। ऐसे में मजदूरों को अपने हितों की रक्षा करने के लिए आन्दोलन छेड़ कर अन्य कोई उपाय नहीं है। उन्होंने कहा कि मजदूरों को आज तक कोई भी हक संघर्ष के बिना नहीं मिला। मई दिवस भी इसी का संदेश देता है। अत: हमें हक पाने के लिए जुझारू संघर्ष के लिए तैयार होना पड़ेगा। इसके लिए कर्मकार एकता केन्द्र व भवन व सनिमार्ण वर्कर्स यूनियन को हर तरह से मजबूत करना होगा।

इस विशाल प्रदर्शन को उत्तरी जिला कमेटी के संयोजक कान्ति प्रसाद, कर्मकार एकता केन्द्र से इन्द्रजीत यादव, बलीकरण, राकेश कुमार तथा भवन सनिमार्ण वर्कर्स यूनियन के महासचिव कॉ. निर्मल कुमार तथा प्रेमपाल आर्य व कपिल ने सम्बोधित किया। दोनों संगठनों की तरफ से एक प्रतिनिधिमण्डल ने डीएलसी मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन दिया। आन्दोलन को और भी तेज व व्यापक बनाने के संकल्प के साथ प्रदर्शन समाप्त हुआ।

24 अप्रैल

(पृष्ठ 2 का शेष)

रांची (झारखण्ड) : बेलगाम महंगाई, भ्रष्टाचार, विस्थापन, अतिक्रमण के नाम पर बस्तियां उजाड़ने, पानी का गंभीर संकट, शिक्षा-विरोधी नीतियों, महिलाओं पर बढ़ते जुल्म के खिलाफ एस.यू.सी.आई. (कम्युनिस्ट) पार्टी की 65 वीं वर्षगांठ के मौके पर 28 अप्रैल को रांची रोड स्थित मिल्ली हॉल में एक आम सभा आयोजित की गयी। सभा में उपस्थित होने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों से सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित हुए थे। सभा की अध्यक्षता की पार्टी के झारखंड राज्य सचिव कॉमरेड रबीन समाजपति ने। मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद थे पार्टी केन्द्रीय कमिटी के सदस्य व पार्टी के हरियाणा राज्य सचिव कॉमरेड सत्यवान।

उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि – ''आज पूरी दुनिया में पूंजीवाद गंभीर संकट में फंसी हुई है। भयावह आर्थिक मंदी अब स्थायी रूप ले रही है। यूरोप, अमरीका जैसे अमीर कहलाने वाले देशों में बेरोजगारी अतीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। जनता आक्रोशित है, आंदोलित है, बारूद का ढेर बन चुकी है। जाहिर है कि विश्व पूंजीवाद के इस संकट से भारत भी अछूता नहीं है। औद्योगिक विकास दर, आर्थिक विकास दर आदि में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गयी है। महंगाई आसमान छू रही है। बेरोजगारी भयावह रूप ले रही है। जनता उबल रही है और इस बारूद को भीगोने के लिए सत्ताधारियों की ओर से व्यापक तैयारी चल रही है। शराब दुकानों को धड़ल्ले से लाइसेंस दिये जा रहे हैं, सिनेमा-साहित्य, टीवी-इंटरनेट पर सेक्स और हिंसा का व्यापक प्रचार-प्रसार जारी है। दिल्ली के सामूहिक बलात्कार कांड और उसके बाद हुए जनांदोलन के बावजूद बलात्कार की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। महिलाएं घर-बाहर कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं।

झारखंड की स्थिति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि –''झारखंड में तो स्थिति और भी बदतर है। विकास का काम ठप्प है। मनरेगा, इंदिरा आवास, बीपीएल सूची, आदि में भारी भ्रष्टाचार है। राशनिंग व्यवस्था ठप्प है। सड़कों की स्थिति जर्जर है। शिक्षा, स्वास्थ्य, मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भी लोग तरस रहे हैं। दूसरी ओर आम जनता को विस्थापित कर उनकी जमीन, जंगल, जलस्रोत, खदानों को देशी-विदेशी पूंजीपतियों के हवाले किया जा रहा है। वर्षों से बसी हुई बस्तियाँ उजाड़कर जमीन कॉर्पोरेट पूंजी के हवाले करने की साजिश चल रही है। राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हुए कई सप्ताह गुजर गये। परंतु विधानसभा भंग नहीं की गयी है। विधायकों का मोल-भाव चल रहा है। कांग्रेस, भाजपा, झामुमो, आजसू जैसी बड़ी-बड़ी पार्टियाँ इस विवेकहीन गंदी राजनीति में शामिल हैं। आज वामपंथी नामधारी पार्टियों में से कुछ लोग संसद में और कुछ लोग जंगल में भटक रहे हैं। सीपीआई, सीपीएम जैसी पार्टियाँ महज चुनावी राजनीति में व्यस्त हैं और माओवाद के नाम पर कुछ लोग जनता को संगठित किये बगैर क्रांति शुरू कर चुके हैं। अवसरवादिता और हठधर्मिता दोनों ही इस देश के मुक्ति संघर्ष को बेहद नुकसान पहुँचा रही है। अपवाद है सिर्फ एस.यू.सी.आई (कम्युनिस्ट)। यह पार्टी लगातार आंदोलन की राजनीति, क्रांतिकारी लाइन को बुलंद कर रही है। इसलिए सर्वभारतीय स्तर पर इस पार्टी की लोकप्रियता बढ़ रही है। झारखंड में भी पार्टी संगठन के विकास की प्रबल संभावना तैयार हुई है। इसे ठोस, व्यापक और संगठित रूप दें।

मंच पर उपस्थित थे पार्टी राज्य कमिटी के सदस्य कॉमरेड बिमल दास, आर एस शर्मा, के पी सिंह, सिद्धेश्वर सिंह, सीताराम टुडू, रामलाल महतो, केया डे, सुमित राय।

पटना में जनसभा को सम्बोधित करते हुए पोलित ब्यूरो सदस्य कॉमरेड रणजीत धर

कटक, आडिशा में जनसभा को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय कमेटी सदस्य कॉमरेड सौमेन बोस

पटना (बिहार) : बिहार में एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) का स्थापना दिवस 24 अप्रैल को आईएएम हाल, पटना में राज्य स्तरीय सभा करके मनाया गया। सभा की अध्यक्षता की पार्टी के बिहार राज्य सचिव कॉमरेड शिव शंकर ने की। पार्टी की राज्य कमेटी के वरिष्ठ सदस्य कॉमरेड अरुण कुमार सिंह द्वारा सभा में पेश किये गये दो प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गये। उनमें से एक तो देश-प्रदेश में महिलाओं से बलात्कार व अत्याचार की तेजी से बढ़ती घटनाओं की रोकथाम के बारे में था और दूसरा राजय में नीतीश सरकार द्वारा अपनायी जा रही निजीकरण की नीतियों के खिलाफ था। सभा के मुख्य वक्ता पार्टी के पालित ब्यूरो सदस्य कॉमरेड रणजीत धर थे।

बुडलाढ़ा (पंजाब) : पंजाब में एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) का स्थापना दिवस एफसीआई हाल, बुडलाढा जिला मानसा में मनाया गया। सभा की अध्यक्षता पार्टी के कॉमरेड जगतार सिंह ने की। कॉमरेड अरुण कुमार सिंह सभा में मुख्य वक्ता थे। उन्होंने अपने भाषण में दिखाया कि कैसे पूंजीवाद गहरे आर्थिक संकट में फंस चुका है और अपने संकट के सारे बोझ को लोगों के कंधों पर डाल रहा है जिनका जीना पहले ही महंगाई से मुश्किल हो गया है। लोग हर देश में सड़कों पर उतर रहे हैं। इससे शासक पूंजीपति वर्ग सकते में है। इन संघर्षों को सही रूप में क्रान्तिकारी दिशा देने में ही क्रान्तिकारी पार्टी की भूमिका है। उन्होंने सीपीआई-सीपीएम जैसी नकली कम्युनिस्ट पार्टियों का पर्दाफाश करते हुए देश में एकमात्र सही कम्युनिस्ट पार्टी, एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) को मजबूत करने की अपील की। पार्टी के पंजाब सूबे के इंचार्ज कॉमरेड अमीन्दरपाल सिंह, इन्दरजीत सिंह, मंजीत सिंह, कुलविन्दर सिंह, सिकन्दर सिंह व ऑल इण्डिया डीएसओ के भास्करानन्द ने भी सभा को संबोधित किया। (शेष पृष्ठ 7 पर)

बुडलाढ़ा में जनसभा को सम्बोधित करते हुए कॉमरेड अरुण कुमार सिंह

रांची में जनसभा को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय कमेटी सदस्य कॉमरेड सत्यवान

दिल्ली में पाँच साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म, पाशविक अत्याचार एवं पुलिस के असंवेदनशील रवैये के खिलाफ राज्य-राज्य में विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली: गाँधीनगर में एक पाँच साल की बच्ची को अगवा कर उसके साथ बलात्कार की भयावह घटना के विरुद्ध 20 अप्रैल को यहाँ अखिल भारतीय महिला सांस्कृतिक संगठन (ए.आई.एम.एस.एस.) ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने यह मांग रखी कि अपराधी को गिरफ्तार किया जाये और उसे उदाहरणमूलक सज़ा दी जाय। उन्होंने पुलिस प्रशासन के असंवेदनशील रवैये का भी विरोध किया, जिन्होंने न सिर्फ पीड़ित बच्ची के परिवार को मामला दबाने के लिये पैसे देने चाहे, बल्कि न्याय की माँग कर रही एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ भी मारा।

वक्ताओं ने इस राज्य और देश की भ्रष्ट और असंवेदनशील पुलिस व्यवस्था पर क्षोभ व्यक्त किया। पुलिस ने न केवल अपराधी को बचाने का प्रयास किया बल्कि पीड़िता के परिवार को चुप करने के लिए 2000 रुपये देने का प्रयास किया और उस बच्ची के परिवार को जिस पर पाशविक हमला हुआ था जो अस्पताल में जीवन के लिये संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में महिलाओं पर अपराध पर रोक लगाने के लिये सरकार ने कोई भी गंभीर प्रयास नहीं किये हैं। सरकार ने इस ओर से आँखें मूँद ली हैं क्योंकि अगर महिलाओं को सुरक्षित माहौल नहीं मिलता तो वे शिक्षा, रोज़गार - हर क्षेत्र में ही बाधाओं से उलझ कर रह जाती हैं और उनका विकास बाधित होता है।

संगठन ने अपनी मांगों को फिर से रखा कि सरकार अपराधों को रोकने के लिये तुरंत कदम उठाये और सार्वजनिक स्थानों पर शराबबंदी लागू करे, टी.वी. और प्रचार माध्यमों द्वारा अश्लीलता के प्रसारण पर रोक लगाये और यौन शिक्षा जैसी प्रत्यक्ष और यौन-पर्यटन जैसी परोक्ष नीतियों को तुरंत वापस लें जो कि समाज में विक्षिप्तता, मानसिक रूग्णता और पशुता को बढ़ावा दे रही है।

जंतर-मंतर पर सभा को प्रो. सुबोध शर्मा (दिल्ली विश्वविद्यालय), कॉ. प्रताप सामल (सचिव, एस.यू.सी.आई.(सी), दिल्ली), सुश्री रितु कौशिक (सचिव, ए.आई.एम.एस.एस., दिल्ली राज्य), सुश्री पुष्पा चमोली (उपाध्यक्ष, ए.आई.एम.एस.एस., दिल्ली), सुश्री सीता सिंह (सचिवमण्डल सदस्य, ए.आई.एम.एस.एस., दिल्ली), गिरीश (उपाध्यक्ष, ए.आई.डीवाई.ओ., दिल्ली) एवं प्रशान्त कुमार (सचिव, ए.आई.डी.एस.ओ., दिल्ली) ने संबोधित किया।

फलोदी (राजस्थान) : दिल्ली में बलात्कार पीड़ित पाँच वर्षीय लाड़ली बच्ची की सलामती की दुआ हेतु जागरुक नागरिक मंच फलोदी के तत्वावधान में 23 अप्रैल को जयनारायण व्यास सर्किल से रेलवे स्टेशन रोड़ अस्पताल के पास तक मौन जुलूस निकाला तथा अस्पताल के सामने मौमबत्ती जलाकर बच्ची की सलामती की दुआ की। प्रदर्शनकारियों ने बलात्कारियों को फाँसी जैसी उदाहरणमूलक सजा देने, नशाखोरी पर रोक लगाने, अश्लीलता भरे विज्ञापनों, अपसंस्कृति फैलाने वाले टी.वी. कार्यक्रमों एवं प्रचार माध्यमों पर रोक लगाने, मानव मात्र हेतु संवेदनशीलता अपनाने जैसी माँग की।

जुलूस में मंच के अध्यक्ष डॉ. दिनेश शर्मा, संरक्षक मंडल सदस्य शिवकिशन बिस्सा, यागचन्द नागल, सामाजिक कार्यकर्ता नीलम जैन, माधुसिंह देवड़ा, मांगीलाल देवड़ा, रमणलाल बोहरा, संगीता रावत, भूपतसिंह अवाय, डॉ. मुरलीघर कटारिया, गिरधरसिंह जालोड़ा, एडवोकेट समस्तदीन मंगलिया, गोरधन जयपाल, जयप्रकाश बोहरा, इंजिनियर मुस्ताक शाह, कमल शर्मा आदि उपस्थित थे। मंच के महासचिव छाजुराम रावत ने आगन्तुकों एवं फलोदी के नागरिकों का सहयोग हेतु आभार प्रकट किया।

पटना (बिहार) : दिल्ली में 5 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और बर्बरता के खिलाफ ऑल इंडिया डीएसओ, ऑल इंडिया डीवाईओ तथा ऑल इंडिया

फलोदी

जंतर मंतर पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ऑल इण्डिया महिला सांस्कृतिक संगठन की रीतू कौशिक

महिला सांस्कृतिक संगठन की ओर से 20 अप्रैल को विरोध मार्च निकाला गया और केन्द्र व दिल्ली सरकार के खिलाफ जोरदार नारे लगाये गये। आकाशवाणी से निकला छात्र, युवाओं और महिलाओं का विरोध मार्च फ्रेजर रोड, डाक बंगला चौराहा होते हुए पटना जंक्शन गोलम्बर पहुंचा, जहां विरोध मार्च सभा में तब्दील हो गया।

विरोध सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पिछले दिनों दिल्ली गैंगरेप की घटना अब भी लोगों की जमीर को झकझोर रही है, वैसे में पांच साल की

बच्ची के साथ दुष्कर्म और बर्बरता की घटना दिल्ली तथा केन्द्र सरकार और सर्वोपरि इस सामाजिक व्यवस्था को कठघड़े में ला खड़ा करती है। देश में, यहां तक कि राजधानी दिल्ली में व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गयी है। यह घटना तथा गैंगरेप-रेप की घटनाओं में इजाफा सरकार के, नेता-मंत्रियों का नकारापन प्रदर्शित करता है। वक्ताओं ने कहा कि देश में शोषण पर आधारित पूंजीवादी व्यवस्था के सामग्रिक हित में केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा अश्लीलता, नग्नता, नशाखोरी और यौनता को दिये जा रहे बढ़ावे के ही नतीजतन इन अमानवीय घटनाओं में इजाफा हो रहा है। सभी वक्ताओं ने दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग करते हुए इन दुष्प्रवृत्तियों के खिलाफ आम जनता से आंदोलन तेज करने की अपील की। सभा को आज ऑल इंडिया डीएसओ के राज्याध्यक्ष कॉ. सूर्यकर जितेन्द्र, राज्य सचिव कॉ. अनिल कुमार, ऑल इंडिया डीवाईओ के कॉ. अनिल कुमार चांद तथा ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन की राज्य सचिव कॉ. साधना मिश्रा तथा कॉ. अनामिका ने संबोधित किया।

आदित्यपुर(झारखण्ड) : दिल्ली में 5 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और बर्बरता के खिलाफ 22 अप्रैल को ऑल इंडिया डीएसओ, ऑल इंडिया डीवाईओ तथा ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन की ओर से आकाशवाणी चौक पर प्रतिवाद सभा आयोजित की गई। इस घटना की जोरदार निन्दा करते हुए संगठन की जिला सचिव कॉमरेड लीला दास ने कहा कि इस तरह की घटनाओं के लिए वर्तमान पूंजीवादी व्यवस्था पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि सरकार धड़ल्ले से शराब की दुकानों के लाइसेन्स बांट रही है। सभा मे अंजना भारती, रूपा सामंत, रेणु देवी, सुनीता वर्मा, पूर्णिमा पाण्डेय, सुशांत सरकार, विष्णुदेव गिरि, रणजीत ठाकुर, अनुज पाण्डेय, मौसमी मित्रा, राजू कुमार, विपिन

मण्डल सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

अहमदाबाद(गुजरात) : अभी कुछ दिन पहले दिल्ली में 5 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और बर्बरता की बेहद दर्दनाक घटना के खिलाफ 20 अप्रैल को ऑल इंडिया डीएसओ, ऑल इंडिया डीवाईओ तथा ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन की ओर से आश्रम रोड पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने तहेदिल से महसूस किया कि सरकार के ढ़ीले रवैये और प्रशासन के नकारापन की वजह से अपराधियों को यह साफ संकेत मिल गया है कि अगर वे ऐसे अपराध करते रहें तब भी उनको सजा नहीं मिलनी है। इसलिए लोगों के इतने बड़े पैमाने पर रोष-आक्रोश के बावजूद इस तरह घटनाएं कम होने की

बजाय बढ़ती जा रही हैं। इस कांड की जोरदार निन्दा करते हुए प्रदर्शनकारियों ने जस्टिस वर्मा कमेटी की सिफारिशों को अविलंब लागू करने, बलात्कारियों को उदाहरणमूलक सजा देने और इसके दोषी पुलिस अधिकारियों को निलंबित नहीं, बल्कि बर्खास्त करने आदि की माँग की। प्रदर्शनकारियों ने संकल्प लिया कि जब तक इस तरह की घटनाएं रुक नहीं जाती सामाजिक-सांस्कृतिक आन्दोलन जारी रखेंगे।

इलाहाबाद (उ.प्र) : विगत दिनों देश की राजधानी दिल्ली में हुए 5 साल की बच्ची के साथ नृशंस और बर्बर बलात्कार की घटना के विरोध में एआईएमएसएस, एआईडीएसओ, एआईडीवाईओ, 'आरोही साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मंच', एवं 'ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी' के द्वारा इलाहाबाद में सिविल लाइंस में सुभाष चौराहे पर एक विरोध सभा का आयोजन किया गया। (शेष पृष्ठ 6 पर)

दिल्ली में मासूम से दुष्कर्म...

(पृष्ठ 5 का शेष)

सभा में बड़ी संख्या में छात्र, नौजवान, महिलाएं, कर्मचारी, अध्यापक आदि शामिल थे। सभा में इस जघन्य घटना के विरोध में जोरदार नारे लगाए गये। नारों में प्रमुख थे – 'केन्द्र सरकार शर्म करो', 'मासूम बच्चियों, महिलाओं पर बढ़ रही बलात्कार की घटनाओं पर रोक लगाओ', 'अश्लीलता परोसना बन्द करो', नैतिक रीढ़ को तोड़ने वाली यौन शिक्षा बन्द करो' आदि प्रमुख थे।

सभा में, मुख्य वक्ता के तौर पर महिला सांस्कृतिक संगठन की संयोजिका रश्मि मालवीय ने कहा कि महिलाओं पर बढ़ती बलात्कार एवं हत्या की घटना केन्द्र व राज्य सरकार के महिलाओं को सुरक्षा देने में असफल सिद्ध होने का प्रमाण है। सभा में, अन्य वक्ताओं में कल्याणी रायचौधरी, मानस सिंह, संध्या मिश्रा, रेनू गुप्ता, विनोद यादव, सतपाल, झरना मालवीय आदि थे। संचालन सुमन शुक्ला ने किया।

मुरादाबाद (उ.प्र.): आज दिनाँक 21 अप्रैल 2013 को एआईडीवाईओ के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के गांधी नगर में 5 साल की बच्ची ''गुड़िया'' के साथ हुए दुष्कर्म के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और एक ज्ञापन माननीय प्रधानमंत्री को भेजा। संगठन के कार्यकर्ता शाम 5 बजे रेलवे स्टेशन, मुरादाबाद में एकत्र हुए और नारे लगाते हुए जुलूस निकाला। जुलूस जैन मंदिर पर एक सभा में बदल गया। सभा को सम्बोधित करते हुए संगठन के नेताओं ने कहा कि दिल्ली में हुई 5 साल की बच्ची के साथ दुराचार की घटना ने एक बार फिर देश की जनता में आक्रोश पैदा कर दिया है। महिलाओं व बच्चियों के साथ लगातार घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है। प्रदर्शनकारियों को बबिता सिंह, मौ. गौरी, जब्बार अली,

विनोद विग, प्रदीप अहलूवालिया, आसिफ, कमलेश चाहल, हरकिशोर सिंह, एमसी त्यागी, अविनाश, सुनिता अहलूवालिया, कुलवन्त सिहं आदि ने सम्बोधित किया।

जौनपुर (उ.प्र.): दिल्ली रेप काण्ड, जौनपुर में खुटहन रेपकाण्ड व तेजी से बढ़ रहे हर जगह हत्या, बलात्कार व नशा के खिलाफ 22 अप्रैल 2013 को एआईडीएसओ, एआईडीवाईओ व एआईएमएसएस के संयुक्त बैनर तले जौनपुर मुख्यालय पर विक्षोभ जुलूस व प्रदर्शन किय गया। मड़ियाहूँ पड़ाव से चलकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय तक जोरदार नारे लगाते हुए सैकड़ों छात्र-नौजवान व महिलाएं कलैक्ट्रेट परिसर पहुँची और सभा किया। सभा की अध्यक्षता कॉ. महेन्द्र कुमार मौर्य व संचालन–कॉ. दिलीप कुमार ने किया। सभा को कॉ. रविशंकर मौर्य, प्रमोद कुमार शुक्ल, शान्ति मौर्या, विकास, रामआशीष, राममूर्ति, विजय प्रकाश गुप्त ने सम्बोधित किया। अन्त में प्रधानमंत्री को सम्बोधित छः सूत्री मांग पत्र की गई है कि: 1. दिल्ली में 5 वर्षीय और जौनपुर के खुटहन में 7 वर्षीय बच्ची के साथ रेप करने वालों को तुरन्त फांसी दो। 2. हर जगह बढ़ रहे यौन अपराधियों को कठोर सजा दो। 3. अश्लील व आपराधिक साहित्य, सिनेमा, पोस्टर, गानों पर तुरन्त रोक लगाओ। 4. महिलाओं व बच्चियों

मासूम बच्ची के साथ बलात्कार के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन करते हुए एसयूसीआई सी) के कार्यकर्ता

को पूर्ण सामाजिक सुरक्षा दो। 5. शराब व मादक पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाओ। 6. जनता के जनवादी आन्दोलन में पुलिस हस्तक्षेप बन्द करो।

भिवानी (हरियाणा) : दिल्ली में 5 साल की मासूम के साथ हुए दुष्कर्म के खिलाफ ऑल इंडिया डीएसओ की ओर से 20 अप्रैल को विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दिनोद गेट स्थित चेतराम प्रजापति धर्मशाला से जुलूस शुरू किया जो सराय चौपटा होते हुए घंटाघर पहुँचा, जहाँ प्रदर्शनकारियों ने केन्द्र की यूपीए सरकार के खिलाफ जोरदार नारे लगाये गये और पूतला फूंका गया।

इस दौरान छात्र संगठन ऑल इण्डिया डीएसओ, भिवानी के सचिव कॉ. रूपेश ने कहा कि पिछले दिनों दिल्ली में 'दामिनी' के साथ गैंगरेप और देश-प्रदेश में लगातार हो रही ऐसी घटनाओं और अब फिर दिल्ली के गाँधीनगर की इस दर्दनाक घटना ने लोगों के जमीर को झकझोर कर रख दिया है, इस पर पुलिस-प्रशासन के रवैये ने तो सभी हदें पार कर दीं और न्याय मांग रही लड़कियों को उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाने की बजाय थप्पड़ मारे। इस घटना से देश का सिर दुनिया के सामने शर्म से झुक गया है। इससे यह भी उजागर हुआ है कि समाज कहाँ पहुँच गया है। यह सभ्यता है या बेइन्तहा हैवानियत? इस समाज में हर उम्र की महिलाएं

असुरक्षित महसूस करती हैं। सरकारों द्वारा प्रचार माध्यमों से अश्लीलता, नग्नता और यौनता परोसी जाने और शराब व नशाखोरी को बढ़ावा दिये जाने का ही नतीजा है ऐसी अमानवीय घटनाएं। क्योंकि ये दुष्प्रवृत्तियाँ लोगों को जानवर बना देती हैं। सभी वक्ताओं ने दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की माँग की और इन दुष्प्रवृत्तियों के खिलाफ आम जनता से जोरदार सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलन चलाने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर आरोपियों को शीघ्र नहीं पकड़ा गया तो वे आन्दोलन तेज करने पर विवश होंगे। इस अवसर पर ऑल इण्डिया डीएसओ के भिवानी नगर अध्यक्ष कॉ. पवन, शुभम, दीपक, रजत, विशाल, विकास, संदीप, नरेश तथा एसयूसीआई (सी) के कॉ. धर्मवीर सिंह, राजेश व राजकुमार भी उपस्थित थे।

बहादुरगढ़ (हरियाणा): महिलाओं समेत मासूम बच्चियों पर बढ़ते अत्याचार, यौनाचार, सामूहिक दुराचार व अन्य अपराधों के खिलाफ ऑल इण्डिया महिला सांस्कृतिक संगठन, एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) के सदस्यों ने लाल चौक पर एक जोरदार विरोध प्रदर्शन किया तथा केन्द्र व राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ रोषपूर्ण नारे लगाए।

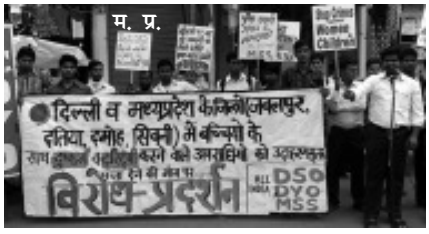

4 वर्षीय ग्रेजुएशन कोर्स के खिलाफ ए.आई.डी.एस.ओ. का प्रदर्शन

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय में आगामी सत्र से डिग्री कोर्स की अवधि 3 साल से बढ़ाकर 4 साल करने के निर्णय के विरोध में ऑल इण्डिया डेमोक्रेटिक स्टूडेन्ट्स ऑर्गेनाइजेशन (ए.आई.डी.एस.ओ.) की दिल्ली राज्य कमेटी की ओर से 22 अप्रैल को दिल्ली विश्वविद्यालय की आर्ट्स फैकल्टी में एक प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारी विवेकानन्द की मूर्ति के पास एकत्रित हुए और विश्वविद्यालय प्रशासन के इस फैसले के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहाँ पर हुई विरोध सभा में विभिन्न कॉलेजों व बड़ी संख्या में स्कूलों से भी छात्र मौजूद थे। सभा को ए.आई.डी.एस.ओ. के राज्य अध्यक्ष भास्करानन्द, राज्य सचिव प्रशान्त कुमार, राज्य कमेटी सदस्यों में राहुल सरकार, मो. आसिफ, कृष्णेन्दु मुखर्जी व अन्य छात्र प्रतिनिधियों ने संबोधित किया।

वक्ताओं ने कहा कि आगामी सत्र से डिग्री कोर्स की अवधि 3 साल से बढ़ाकर 4 साल करने का यह निर्णय गरीब व मध्यम वर्ग के छात्रों के लिए आर्थिक मुश्किलें पैदा करेगा जिससे बड़ी तादाद में छात्र इस विश्वविद्यालय में प्रवेश नहीं ले पायेंगे। इसका सबसे प्रतिकूल असर बाहरी राज्यों से आकर यहाँ पढ़ने वाले छात्रों पर पड़ेगा जिन्हें 1 वर्ष में फीस के अतिरिक्त भी बड़ी मात्रा में रुपया मकान भाड़ा और खाने पर खर्च करना पड़ता है। इससे न केवल पढ़ाई का खर्च बढ़ेगा बल्कि इसके प्रावधानों पर भी गौर से देखा जाय तो शिक्षा की वर्तमान हालात में और भी तेजी से और गुणात्मक गिरावट आएगी। इसमें पाठ्यक्रमों को हल्का कर बाजारोन्मुख पाठ्यक्रमों पर जोर देने की बात से साफ है कि शिक्षा का असल उद्देश्य जो छात्रों में सोच-समझ, तार्किक विचार, सामाजिक जिम्मेदारीबोध और एक उन्नत चरित्र का विकास करना है, उस पर ही प्रहार किया जा रहा है। 4 वर्षीय डिगी कोर्स के मॉड्यूल्स में 11 अनिवार्य फाउंडेशन कोर्स का प्रावधान है जिसे हर विषय के छात्र को पहले 2 साल में पढ़ना अनिवार्य होगा। लिहाज़ा ये कोर्स बहुत ही चलताऊ किस्म के होंगे और इनमें स्कूली स्तर की चीजों का ही दुहराव भर होगा। चार साल के ग्रेजुएशन कोर्स के तहत 2 साल में एसोसिएट डिग्री, 3 साल में बैचलर डिग्री और चार साल में ऑनर्स की डिग्री देने का प्रावधान है। 2 साल या 3 साल में भी डिग्री लेकर पढ़ाई को छोड़ देने का विकल्प दरअसल समग्र ज्ञान (comprehensive education) की धारा पर एक और जोरदार चोट है। ये डिग्रियाँ निश्चित तौर पर कम गुणवत्ता वाली होंगी जिसमें रोजगार की संभावना और भी कम होगी। वक्ताओं ने कहा कि इन सुधारों को लागू करने में साफ तौर पर जनवादी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया गया और छात्रों व शिक्षकों के साथ बगैर किसी चर्चा-बहस के लागू किया जा रहा है। छात्रों व शिक्षकों के विरोधों को अनसुना करना व इस किस्म की चर्चा-बहस को रोकने के लिए हर हथकंडे अपनाना विश्वविद्यालय में जनवादी प्रक्रिया पर ही एक चोट है।

अंत में कुलपति के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया जिसमें मांग की गई कि 4 वर्षीय ग्रेजुएशन कोर्स को लागू करने का यह निर्णय वापस लिया जाए ताकि विश्वविद्यालय सही मायने में देश के आम छात्र समुदाय के लिए खुला रह पाये, शिक्षा को बाजार अर्थव्यवस्था के साथ मिलाने की कवायद पर रोक लगाई जाए, विज्ञान, कला, साहित्य जैसे विषयों को प्रोत्साहित किया जाए व विश्वविद्यालय में जनवादी प्रक्रियाओं पर हो रहे हमले पर रोक लगाई जाए ताकि छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों में विश्वविद्यालय के प्रति एक आस्था बनी रहे।

मुरादाबाद के पीतल दस्तकारों के संघर्ष की जीत

मुरादाबाद (उ.प्र.): मुरादाबाद के पीतल दस्तकारों के दमन उत्पीड़न के खिलाफ 7 मार्च से जिला अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की गई। उल्लेखनीय है कि हमारी यूनियन द्वारा पीतल दस्तकारों की विभिन्न समस्याएं कई वर्ष पूर्व सरकार के सामने रखी थी। सरकार ने उन मांगों पर ठोस कार्यवाही करने की बजाय पीतल दस्तकारों को आर्टिजन क्रेडिट कार्ड के नाम से लोन दे दिया। हस्तशिल्प विभाग एवं बैंकों द्वारा आर्टिजन क्रेडिट कार्ड देते समय भारी घूस ली गई। दलालों ने भोले-भाले दस्तकारों को गुमराह किया कि यह कर्ज ले लो, वापिस नहीं करना पड़ेगा। पीतल करोबार में आई मंदी, जीवन के लिए जरूरी चीजों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के कारण पीतल दस्तकारों की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती चली गई। दस्तकारों के लिए कर्ज की अदाएगी नामुमकिन हो गई। बैंकों द्वारा कर्ज वसूली के लिए हजारों दस्तकारों की आर.सी. काट कर तहसील में भेज दी। तहसील कर्मियों द्वारा दस्तकारों से वसूली के नाम नाजायज वसूली की जाने लगी। एआईयूटीयूसी से सम्बद्ध पीतल मजदूर यूनियन द्वारा इसके खिलाफ प्रदर्शन कर सरकार से पीतल दस्तकारों के कर्जे माफ करने की मांग की गई। प्रधानमंत्रसी और मुख्यमंत्री उ.प्र. को ज्ञापन भेजे गए।

इसके फलस्वरूप तहसील स्टाफ द्वारा हमारी यूनियन के अध्यक्ष को खरीदने का प्रयास किया गया। इसमें विफल रहने पर जिला प्रशासन से उनके खिलाफ झूठी शिकायत की। यूनियन द्वारा इस सबका जवाब दिया गया। इससे बोखलाकर तहसील स्टाफ ने यूनियन अध्यक्ष कॉ. इस्लाम अली को धोखें से 2 मार्च को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिराफ्तारी की खबर लगते ही सैकड़ों दस्तकार तहसील पहुँच गए। इसके बादे प्रदर्शनकारियों ने जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और मांग की कि कॉ. इस्लाम अली को तुरन्त रिहा किया जाए। प्रशासन द्वारा रिहा न करने पर पीतल मजदूर यूनियन के बैनर तले कॉमरेड मौ. हारून, नसीम अंसारी और उस्मान अली दिनाँक 7 मार्च 2013 से अनशन पर बैठ गए। अनशन पर भारी तादाद में अन्य दस्तकार भी मौजूद रहे। भूख हड़ताल को समर्थन लगातार बढ़ता देख जिला प्रशासन ने क्षेत्रीय विधायक भी भूख हड़ताल स्थल पर आकर ऐलान किया कि आगे से किसी भी दस्तकार का शोषण नहीं होगा और इस्लाम अली को रिहा कर दिया जाएगा। इसके बाद विधायक ने जूस पिलाकर भूख हड़ताल समाप्त कराई।

गर्मरोला मजदूरों के संघर्ष की विजय

दिल्ली : गर्मरोला स्टील मजदूरों की 6 दिन चली जुझारू हड़ताल के बाद आखिरकार मिल मालिकों 1500रु. प्रतिमाह वेतन वृद्धि की मांग को स्वीकार करना पड़ा। एआईयूटीयूसी से सम्बद्ध कर्मकार एकता केन्द्र ने गर्मराला स्टील के मजदूरों के वेतन में 2000रु मासिक वृद्धि सभी मजदूरों को ईएसआई व पीएफ व सभी सरकारी छुट्टियाँ देने की मांग को लेकर 10 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया था। इस दिन से गर्मरोला स्टील की 26 फैक्ट्रियों के लगभग 3000 मजदूर रात से ही हड़ताल पर चले गए थे। अत: 16 अप्रैल को मालिक एशोसियेशन समझौता करने को बाध्य हुई तथा ईएसआई व पीएफ व छुट्टियाँ देने सहित 1500रु माह वेतन वृद्धि स्वीकार कर ली। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी ऐसी ही हड़ताल के बाद मालिकों को 1000रु. वेतन वृद्धि तथा साप्ताहिक छुट्टी देना स्वीकार किया था। गर्मरोला मजदूर बहुत ही अमानवीय हालातों में काम करते हैं। एआईयूटीयूसी से सम्बद्ध कर्मकार एकता केन्द्र ने इन्हें संगठित करके आन्दोलन किया और कुछ हद तक मजदूरों को राहत मिली है। कर्मकार एकता केन्द्र के महासचिव कॉ. मैनेजर चौरसिया, एआईयूटीयूसी उत्तरी जिला कमेटी के संयोजक कान्ति प्रसाद व कर्मकार एकता केन्द्र के संगठक इन्द्रजीत यादव ने मजदूरों को जुझारू लड़ाई के लिए बधाई दी और कहा कि लड़ाई यहाँ खत्म नहीं होती बल्कि अपने हकों के लड़ाई का नया पड़ाव शुरू होता है। उन्होंने कर्मकार एकता केन्द्र को मजबूत बनाने की अपील की।

24 अप्रैल

(पृष्ठ 4 का शेष)

लखनऊ (उ.प्र.): एसयूसीआई (सी)का स्थापना दिवस अमीनाबाद स्थित गंगाप्रसाद वर्मा मेमोरियल हाल में 28 अप्रैल को मनाया गया। इस अवसर पर एक सभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश सचिव कॉमरेड वी.एन. सिंह व संचालन प्रदेश कार्यालय सचिव कॉमरेड जगन्नाथ वर्मा ने किया। सभा की मुख्य वक्ता पार्टी की केन्द्रीय कमेटी की सदस्या कॉमरेड छाया मुखर्जी थी। राज्य कमेटी के वरिष्ठ सदस्य कॉमरेड जगदीश चन्द्र अस्थाना ने भी सभा को सम्बोधित किया। कॉमरेड छाया मुखर्जी ने कहा कि यह मीटिंग ऐसे समय में हो रही है जब हर क्षेत्र में संकट है और नीति-नैतिकता, संस्कृति के क्षेत्र में भारी संकट व्याप्त है। महिलाएं देश में सुरक्षित नहीं हैं। पाँच वर्ष की लड़की के साथ दुराचार हो रहा है यह शर्म की बात है। शराब की दुकान खोलने, गन्दे-गन्दे सिनेमा, पत्र-पत्रिकाओं व विज्ञापनों से अश्लीलता परोसी जा रही है। क्रान्तिकारियों का जीवन-संघर्ष समाज से दूर किया जा रहा है। युवाओं में दायित्वबोध खत्म किया जा रहा है। पूंजीपति वर्ग ने सबक ले लिया कि लाठी-गोली से क्रांति को ज्यादा दिन रोका नहीं जा सकता। कहीं युवा पीढ़ी आगे आकर क्रांति को सफल न कर दे इसलिए पूंजीपति वर्ग युवकों का चरित्रबल गिराने पर आमादा है। जब युवक चरित्रहीन हो जायेगा तब वह कोई भी लड़ाई नहीं लड़ सकेगा। उन्होंने आगे कहा कि पूंजीवादी व्यवस्था से जो संकट पैदा हो रहा है वह संकट नेता बदलने, पार्टी बदलने से नहीं खत्म होगा। जनता की खुशहाली के लिये पूंजीवादी व्यवस्था को ध्वस्त करना होगा। पूंजीवाद-विरोधी समाजवादी क्रांति को सफल बनाना होगा।

सभा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

R.N.I. No.- 43022/85
P.R.No.-DL(C)-01/1123/2012-2014
Posting at IPMBC on 7-8 and 22-23 Fortnightly , Date of Printing : 5 May, 2013

न्युक्लियर उर्जा के इस्तेमाल पर चेन्नई में कन्वेन्शन

चेन्नई में 6 अप्रैल को पिपुल्स कमेटी फॉर सेफ एनर्जी (पीईसीओएसई) और ब्रेकथ्रू साईन्स सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में ''देश में बिजली के सवाल पर नजरिया'' विषय पर अखिल भारतीय कन्वेन्शन का आयोजन किया गया। कन्वेन्शन का उद्देश्य था देश में व्याप्त बिजली की कमी के मुद्दे पर मुक्त और खुली चर्चा करवाने और खासकर कूडमकुलम न्युक्लियर पावर प्लांट के खिलाफ लम्बे अर्से से चल रहे जन आन्दोलन और महाराष्ट्र में जैतपुर, आन्ध्र प्रदेश में कावाडा और गुजरात में मीठी विरधी में न्युक्लियर प्लांट लगाने का लोगों द्वारा किये जा रहे विरोध की रोशनी में आज नाभिकीय उर्जा की व्यवहार्यता सहित बिजली की कमी की समस्या के विभिन्न समाधान तलाशने में मदद करना। कन्वेन्शन से पहले सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जाने-माने ज्यूरिस्ट वी आर कृष्ण अय्यर और एटोमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (एईआरबी) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ए. गोपालकृष्ण, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एम.जी. देवसहायम, आईएएस (रिटायर्ड), बिजली नीति विश्लेषणकर्ता शंकर शर्मा, अमेरिका की प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के भौतिकीविद डॉ. एम.वी. रमन, विज्ञान लेखक और केआरवीपी, कर्नाटक के संस्थापक प्रो. जे.आर. लक्ष्मण राव, चेन्नई के लेखक व पत्रकार नित्यानन्द जयरमन, कर्नाटक के लोकप्रिय विज्ञान लेखक प्रो. ए. कृष्ण भट, साहा इन्स्टीट्युट ऑफ न्युक्लियर फिजिक्स के डॉ. अभि के. दत्ता मजूमदार, इन्स्टीट्युट ऑफ सोसल एंड इक्नॉमिक चेंज के डॉ. पतिबंदला श्रीकांत, सुप्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार प्रकाशभाई शाह, स्वतंत्रता सेनानी व सर्वोदय कार्यकर्ता जगदीश शाह, पीयूसीएल, गुजरात के महासचिव गौतम ठाकर, डॉक्युमेंटरी फिल्म निर्माता धीरू मिस्त्री, गुजरात विश्वविद्यालय के रिटायर्ड प्रोफैसर दिनेश शुक्ला, कपिलभाई शाह, कार्यकर्ता एवं पत्रकार तनुश्री गंगोपाध्याय, सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप चंदुलाल व हिम्मत शाह सहित कई अन्य विवेकशील लोगों द्वारा हस्ताक्षरित एक अपील को लेकर देश भर में एक अभियान चलाया गया।

मंच पर विराजमान एस गाँधी, एम.जी. देवसहायम, डॉ. ए. गोपालकृष्ण, डॉ. ध्रुवज्योति मुखर्जी, शंकर शर्मा व डॉ. सौमित्र बैनर्जी

गणमान्य वक्ताओं और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कलकत्ता विश्वविद्यालय के भूविज्ञान के रिटायर्ड प्रोफैसर डॉ. ध्रुवज्योति मुखर्जी ने सुझाव दिया कि संसाधनों, जोखिमों व लागत की स्थिति के तुलनात्मक आकलन के आधार पर हमारी भावी उर्जा नीति बनाने के लिए एक दिशानिर्देश उभार कर लाने का प्रयास सदन को करना चाहिए। जहाँ न्युक्लियर उर्जा के पक्षधरों का दावा है कि बिजली की मौजूदा कमी से निपटने के लिए न्युक्लियर उर्जा अपरिहार्य है और परमाणु बिजली सस्ती, सुरक्षित और पर्यावरण-फ्रेण्डली है, वहीं जिनका मत इसके विपरीत है, उनकी दलीलें न्युक्लियर विकिरण के दूरगामी प्रभावों, इससे जनित तेजसक्रिय कचरे से पैदा होने वाले जोखिमों और हादसों, और सुरक्षा उपाय बरतने के बावजूद होने वाली विनाशकारी न्युक्लियर दुर्घटनाओं की सम्भावना पर टिकी हैं। वे देश की बिजली की कमी से निपटने में नाभिकीय उर्जा की जरूरत और वास्तविक क्षमता पर भी सवाल उठाते हैं।

एटोमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (एईआरबी) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ए. गोपालकृष्ण ने अपने अन्तर्भेदी भाषण में कहा कि भारतीय आणविक कार्यक्रम एक अंधाधुंध रास्ते पर चल रहा है और इस क्षेत्र के देशीकरण की भाषा की योजना को छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि कारपोरेट घरानों का स्वार्थ भारत में न्युक्लियर नीति बनाने में फरमान जारी करता है और यह कि सरकार, कारपोरेटों और राजनीतिज्ञों की मौजूदा तिकड़ी को तोड़ देना चाहिए। रूस-निर्मित कूडनकुलम रियक्टर की सुरक्षा के बारे में उन्होंने गंभीर संदेह व्यक्त किये। इसे चालू करने से लेकर बढ़ने तक 'हॉट परीक्षण' के दौरान प्लांट के उपकरणों में कुछ संगीन नाकामियाँ रही हैं, और रूसी न्युक्लियर सप्लाई की क्वालिटी के बारे में विदेश से कई परेशान करने वाले रहस्योद्घाटन सामने आये हैं। डब्ल्यूआर न्युक्लियर रियक्टरों में घटिया पुर्जे सप्लाई करने, भ्रष्टाचार और फ्रॉड के आरोप में रूसी पब्लिक सेक्टर कम्पनी रुस्तम की एक सबसिडरी, ज़िओ-पोडोल्स्क के डायरेक्टर की गिरफ्तारी की ओर उन्होंने ध्यान दिलाया। इनमें से दो रियक्टर कूडनकुलम में लगाये जा रहे हैं। उन्होंने ऐलान किया कि प्रतिवाद करने वालों की ओर से आ रहा विरोध, क्योंकि सुरक्षा को लेकर वे फिक्रमंद थे इसलिए पूरी तरह जायज था।

बिजली नीति विश्लेषक श्री शंकर शर्मा ने भारतीय पावर सेक्टर में कोस्ट-बेनिफिट विश्लेषण को एक निर्णायक औजार के तौर पर इस्तेमाल करने की वकालत की। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह नजरिया हमारे समुदायों के पूर्ण रूप से कल्याण के परिप्रेक्ष्य से सर्वोत्तम समाधान पर पहुँचने में मदद करेगा।

पावर इंजीनियर्स सोसाइटी ऑफ तमिलनाडु (पीईएसओटी) के अध्यक्ष श्री एस. गाँधी ने विस्तार से व्याख्या की कि सरकारी क्षेत्र में अपर्याप्त बिजली उत्पादन क्षमता बिजली सप्लाई के मौजूदा संकट का मूल कारण है। जब बिजली नीति में हाल ही में परिवर्तन लागू किये गये, तो भारत सरकार ने पब्लिक सेक्टर में नये बिजली उत्पादन जोड़ने के लिए मंजूरी देने से इनकार कर दिया। सरकार ने प्राइवेट उत्पादकों को न्यौता देने के लिए कानून अध्यादेशित और संशोधित किया और अब प्राइवेट उत्पादकों से भारी महंगी दरों पर बिजली खरीदी है।

हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एम.जी. देवसहायम, आईएएस (रिटायर्ड) ने भारत में बिजली के सवाल पर रुख अख्तियार करने में 'विवेकपूर्ण प्रबंधन प्रतिमान' (prudential management paradigm) की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने यह टिप्पणी की कि कोयला क्षेत्र समेत हर क्षेत्र में शुरू हुए बड़े भारी पैमाने पर निजीकरण के नतीजे के तौर पर यह बिजली क्षेत्र को ढहने की ओर ले गया। सारांश में उन्होंने कहा कि हम समस्या के बारीकी से निदान और बिजली क्षेत्र के विवेकपूर्ण प्रबंधन के बिना अंधकार में नहीं चलते रह सकते।

आईआईएसआर, कोलकाता के प्रोफैसर व डीन ऑफ स्टूडेन्ट्स, डॉ. सौमित्र बैनर्जी ने उर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का सुबोध प्रस्तुतीकरण किया और यूरेनियम के खनन की अवस्था से लेकर कचरा ठिकाने लगाने की व्यवस्था तक परमाणु बिजली उत्पादन से जुड़े जोखिमों और रियक्टर सुरक्षा के मुद्दों पर रोशनी डाली। बिजली उत्पादन की लागत का विश्लेषण पेश करते हुए उन्होंने दिखाया कि न्युक्लियर पावर उत्पादन की लागत बहुत ज्यादा महंगी है।

जाने-माने ज्युरिस्ट वी.आर. कृष्ण अय्यर, भारत सरकार के पूर्व सक्रेटरी (पावर) और योजना आयोग के पूर्व सलाहकार(एनर्जी) डॉ इ.ए.एस. शर्मा, मैजर जनरल (रिटायर्ड) एस.जी. वामबेटकरे, बम्बई हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस सुरेश होस्बेट और स्कूल ऑफ एनर्जी स्टैडिज, जादवपुर विश्वविद्यालय के पूर्व हैड प्रो. सुजय बोस के अलावा हरिपुर, पश्चिम बंगाल के न्युक्लियर प्लांट के खिलाफ प्रदर्शनकारियों की ओर से भेजे गये सन्देश पढ़ कर सुनाये गये। जस्टिस अय्यर ने पुरजोर अपील की कि ''अब आगे से सभी न्युक्लियर प्रसेजैक्टों को त्याग देना चाहिए, जनता की सभी जायज चिन्ताओं को तवज्जो दी जानी चाहिए और इससे सम्बन्धित उनकी न्यायसंगत मांगों को पूरा करना चाहिए और लोगों की जिन्दगी और आजीविका से जुड़े नीतिगत फैसलों में जन भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।''

इसके बाद सवाल-जवाब का एक सत्र चला जिसमें वहाँ काफी बड़ी संख्या में जुटे श्रोताओं में से कई सदस्यों ने विभिन्न वक्ताओं से सवाल पूछे और उन पर दिये गये जवाबों ने देश में बिजली के जटिल मुद्दे पर स्पष्टता लाने के लिए काफी रोशनी डाली। आन्ध्र प्रदेश के कोवडा और गुजरात के मीठी विरधी से आये कार्यकर्ताओं ने अपने संघर्षों का वर्णन किया। समापन में सदन द्वारा एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें कहा गया कि समूचे इंधन चक्र से जुड़े विभिन्न खतरों को देखते हुए आज देश में न्युक्लियर बिजली उत्पादन उपयुक्त नहीं है, सौर उर्जा व पवन उर्जा समेत उर्जा के अक्षय व टिकाऊ स्रोतों का और ज्यादा सहारा लिया जाए और सम्बन्धित लोगों के साथ विचार-विमर्श के जरिये सभी नीतियाँ उभर कर आनी चाहिएं। प्रो. ध्रुवज्योति मुखर्जी ने दिन की चर्चाओं को इस आह्वान के साथ विराम लगाया कि जनहित और पर्यावरण को हमेशा ध्यान में रखते हुए देश में बिजली उत्पादन के प्रति जो नजरिया अपनाना चाहिए उसके बारे में आम जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए देश भर में चर्चा-बहस का एक सिलसिला छेड़ना पहला काम बना देना चाहिए।

एसयूसीआई(सी) ने की पबनावा में शांति व सद्भाव बनाये रखने की अपील

ढांड(हरियाणा): एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) के हरियाणा राज्य सचिव कॉमरेड सत्यवान ने कैथल जिला के गाँव पबनावा प्रकरण के बारे में 17 अप्रैल को जारी प्रैस बयान में कहा कि एक ही गाँव के भिन्न-भिन्न समुदायों के लड़का-लड़की के विवाह के मामले में दोनों तरफ के परिवारों अथवा दोनों जातीय समुदायों की न तो कोई भागीदारी है और न ही उन में से कोई जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। ऐसी स्थिति में एक जातीय समूह के कुछ लोगों ने आक्रोशित होकर इस तरह से रात के वक्त दूसरे जातीय समूह के घरों में तोड़-फोड़ की है, वह बेहद निन्दनीय है। कॉमरेड सत्यवान ने इस घटना का कड़ा विरोध किया और गाँव के सभी समुदायों के नेक विचार वाले मौजिज व्यक्तियों से आग्रह किया कि वे आगे आकर भयभीत व पीड़ित परिवारों की सुरक्षा को सुनिश्चित बनायें और जो परिवार गाँव छोड़ कर जा चुके हैं उनमें विश्वास बहाल करके उन्हें वापिस लौट आने का भरोसा दें। कॉमरेड सत्यवान ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि गत दिनों हुई तोड़-फोड़ की घटना के बाद ग्रामवासियों ने स्वयं पहलकदमी करके सुरक्षा की जिम्मेदारी ली है। उसके बाद गाँव से किसी ने भी पलायन नहीं किया है। इससे वातावरण सामान्य बनाने का काफी विश्वास जगा है। एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) ने हरियाणा सरकार और जिला प्रशासन से माँग की है कि वे मुस्तैदी से कार्य करें और भयग्रस्त परिवारों को सुरक्षा की पूर्ण गारण्टी दें। जिनका जो नुकसान हुआ है उसकी शत-प्रतिशत भरपाई करें और सद्भाव व शान्ति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से न हिचकें।

सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर ऑफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) की ओर से कॉ. गिरिजेश्वर सिंह द्वारा 3ए/38, डब्ल्यू.ई.ए., करोल बाग, नई दिल्ली-5 से संपादित व प्रकाशित तथा परम्परा प्रिंटिंग प्रेस, बी-70/83, इण्डस्ट्रियल एरिया, लॉरेंस रोड, दिल्ली-35 से मुद्रित, दूरभाष:011-25726631, Email: sarvaharadrishtikon@gmail.com; sarvaharadrishtikon@yahoo.com